

Empowering Tribal Artisans: DEI Distributes Premium Bamboo Toolkits in collaboration with Ministry of Textiles

As part of its sustained commitment to tribal education, skill development, and women empowerment, Dayalbagh Educational Institute has been conducting a series of training programs in collaboration with the Office of the Development Commissioner (Handicrafts), Ministry of Textiles, Government of India. Under this initiative, more than 160 tribal artisans, both men and women from the surrounding region, have been trained in traditional crafts such as crochet, embroidery, and bamboo craft.

Recognizing the importance of post-training support for livelihood generation, over 50 trained tribal women have already been provided with sewing machines and embroidery toolkits, enabling them to initiate income-generating activities from their homes. This integrated approach—linking skill development with access to essential tools and market-linked work—has significantly strengthened the foundation for sustainable livelihoods in these tribal communities.

Notably, these skilled women have been manufacturing school uniforms for more than 70 government schools across Harda district for the past several years, demonstrating the program's tangible and ongoing socio-economic impact.

Continuing its efforts to promote sustainable livelihoods, DEI recently facilitated the distribution of advanced toolkits to 50 Scheduled Tribe bamboo craft artisans of tribal village Rajaborari in district Harda of Madhya Pradesh. These enhanced kits are designed to help artisans improve the quality, precision, and efficiency of their craft, thereby expanding their livelihood opportunities.

The distribution event was held on July 11, 2025, in the serene surroundings of the DEI ICT Center at Rajaborari village, Madhya Pradesh. Each artisan received a high-quality branded toolkit valued at ₹10,000, with the total distribution worth amounting to ₹5 lakhs. The initiative was conducted in collaboration with DC Handicrafts, Ministry of Textiles.

Officials from the Ministry's Indore Divisional Office attended the event and appreciated the last-mile execution of the initiative in such a remote tribal region. They were particularly impressed by the premium quality of the tools provided, which included BOSCH drill machine and tool set, Black & Decker angle grinder set, bamboo chisel sets, splitting knives, gauge plates, hacksaws, hammers, combination stones, and tri-squares, among others. The officials commended the effort, noting that such a high standard of branded toolkits is rarely seen in similar distribution programs.

This initiative stands as a model for integrating skill development with quality tools and support, ensuring long-term impact on tribal livelihoods.

PHOTOGRAPHS





उत्पादन क्षमता बढ़ाकर शिल्पकारों की आजीविका को सशक्त बनाने में सहायक होगी किट राजाबरासी में 50 आदिवासी बांस हस्तशिल्पकारों को प्रदान की गई 5 लाख की उन्नत टूलकिट



जागरण, हरदा। दयालबाग शिक्षण संस्थान द्वारा राजाबरासी एस्टेट में आयोजित एक विशेष कार्यक्रम में 50 पंजीकृत आदिवासी बांस हस्तशिल्पकारों को उन्नत टूलकिट का वितरण किया गया। यह पहल वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार के हस्तशिल्प विभाग एवं दयालबाग शिक्षण संस्थान के संयुक्त प्रयासों से संभव

हुई। प्रत्येक टूलकिट की अनुमानित बाजार कीमत 10000 रुपये है, और कुल 5 लाख रुपये मूल्य की ब्रांडेड टूलकिट वितरित की गई। इनमें बांस ब्रांड की ड्रिल मशीन टूल सेट, ब्लैक एण्ड डेक्कर का एंगल ग्राइन्डर, वैक्यू चिसल सेट, हैक्स, हैमर, ट्राई स्कैनर, ग्रीज प्लेट, कॉम्प्रीनशन स्टोन आदि जैसे उच्च गुणवत्ता

के उपकरण शामिल हैं। यह टूलकिट राजाबरासी में 50 आदिवासी बांस हस्तशिल्पकारों को मिली 5 लाख की उन्नत टूलकिट वितरित की गई। यह टूलकिट बांस आधारित उत्पादों की गुणवत्ता व उत्पादन क्षमता बढ़ाकर शिल्पकारों की आजीविका को सशक्त बनाने हेतु प्रदान की गई। ज्ञात हो कि तीन वर्ष पूर्व दयालबाग यूनिवर्सिटी द्वारा राजाबरासी क्षेत्र के 80 आदिवासी युवाओं को चार माह का बांस हस्तशिल्प प्रशिक्षण प्रदान किया गया था, जिसके उपरान्त उन्हें भारत सरकार के हस्तशिल्प पोर्टल पर पंजीकृत भी किया गया। इसी के आधार पर ये शिल्पकार इस योजना के अंतर्गत चयनित हुए। उद्देश्यपूर्ण है कि इसी परियोजना के अंतर्गत दो वर्ष पूर्व 50 आदिवासी महिलाओं को सिलाई मशीनें भी वितरित की गई थीं। कार्यक्रम में वस्त्र मंत्रालय, इंदौर से अधिकारी प्रिंस कुमार एवं नीरज शुक्ला की विशेष उपस्थिति रही। टूलकिट का वितरण टेम्सबखरा पंचायत के ग्राम सारपंच मनोज भुवें द्वारा किया गया। राजाबरासी स्कूल के प्राचार्य दिनेश कपूर, पूर्व मेडिकल कमिश्नर डॉ. रमि अरोरा सहित अनेक स्थानीय गणमान्यजन भी कार्यक्रम में सम्मिलित हुए। कार्यक्रम की अध्यक्षता एवं संचालन दयालबाग शिक्षण संस्थान, राजाबरासी एवं टिमरनी के संकाय प्रमुख तथा इस परियोजना के समन्वयक डॉ. डी. सुमिर द्वारा की गई। उन्होंने अपने संबोधन में मंत्रालय के अधिकारियों, विभिन्न अतिथियों, संस्थान मुख्यालय की टेक्सटाइल प्रोजेक्ट कोऑर्डिनेटर डॉ. पारुल भटनागर एवं इंदौर ब्रांच संस्थान के विनीत गुप्त के प्रति विशेष आभार व्यक्त किया।

दैनिक जागरण

12 जुलाई 2025
www.dainikjagran.com

ak

हरदा 04

प्रोत्साहन 50 आदिवासी शिल्पकारों को दी किट, आधुनिक दौर में शिल्पकारों को आजीविका में मिलेगी मदद बांस की कारीगरी में कलात्मकता लाने पांच लाख की टूल किट दी

पत्रिका पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

हरदा, जिले के राटगंज तहसील के राजाबरासी एस्टेट में शुक्रवार को दयालबाग शिक्षण संस्थान द्वारा एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें 50 पंजीकृत आदिवासी बांस हस्त शिल्पकारों को एडवांस टूल किट का वितरण किया गया। जिससे वे अपने काम को और मजबूत से करते हुए उसे आधुनिक, लुक देकर कलात्मकता दे सकें। यह पहल वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार के हस्तशिल्प विभाग एवं दयालबाग शिक्षण संस्थान के संयुक्त प्रयासों से की गई।



यह कार्यक्रम दयालबाग शिक्षण संस्थान, राजाबरासी एवं टिमरनी के संयुक्त प्रयासों तथा इस परियोजना के समन्वयक डॉ. डी. सुमिर की अध्यक्षता में हुआ। कार्यक्रम में वस्त्र मंत्रालय, इंदौर से अधिकारी प्रिंस

कुमार एवं नीरज शुक्ला वतौर विशेष अतिथि मौजूद रहे। टूल किट की वितरण टेम्सबखरा पंचायत के सारपंच मनोज भुवें ने किया। इस संस्था के विनीत गुप्त सहित अनेक स्थानीय गणमान्यजन भी कार्यक्रम में शामिल हुए।

10 हजार रुपए की एक टूल किट

इन आदिवासी बांस शिल्पकारों को दी गई एक-एक टूल किट की अनुमानित बाजार कीमत 10-10 हजार रुपए है। इस तरह कुल 50 कारीगरों को 5 लाख की टूल किट बांटी। बांस कारीगर रामदयाल, धनराम, शंकर ने बताया कि टूल किट में बांस ब्रांड की ड्रिल मशीन टूल सेट, ब्लैक एण्ड डेक्कर का एंगल ग्राइन्डर, वैक्यू चिसल सेट, हैक्स, हैमर, ट्राई स्कैनर, ग्रीज प्लेट, कॉम्प्रीनशन स्टोन आदि के उपकरण शामिल हैं।



हरदा पत्रिका

राटगंजा, तिराही, हंडिया, सोलपुर, चारवा, मलमनाथ, आजापुर, करवा, अमरावत, चारकी, कलानाथ



प्राइम

ak

सिद्धाश्रम में
मनाई
गुरुपुर्णिमा
शुक्रवार 10

patrika.com & पत्रिका, संस्करण, हरदा, 12 जुलाई 2025

राजाबरासी के 50 आदिवासी बांस हस्तशिल्पकारों को मिली 5 लाख की उन्नत टूलकिट

सुरेखा यादव एड्योकेट
आगरा। दयालबाग राजाबरासी हरदा दयालबाग शिक्षण संस्थान द्वारा राजाबरासी एस्टेट में आयोजित एक विशेष कार्यक्रम में 50 पंजीकृत आदिवासी बांस हस्तशिल्पकारों को उन्नत टूलकिट का वितरण किया। यह पहल वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार के हस्तशिल्प विभाग एवं दयालबाग शिक्षण संस्थान के संयुक्त प्रयासों से संभव हुई। प्रत्येक टूलकिट की

अनुमानित बाजार कीमत 10,000 रु. है, और कुल 5 लाख मूल्य की ब्रांडेड टूलकिट वितरित की गई, इनमें बांस ब्रांड की ड्रिल मशीन टूल सेट, ब्लैक एण्ड डेक्कर का एंगल ग्राइन्डर, वैक्यू चिसल सेट, हैक्स, हैमर, ट्राई स्कैनर, ग्रीज प्लेट, कॉम्प्रीनशन स्टोन आदि जैसे उच्च गुणवत्ता के उपकरण शामिल हैं। यह टूलकिट बांस आधारित उत्पादों की गुणवत्ता व उत्पादन क्षमता बढ़ाकर शिल्पकारों की आजीविका को



बार से प्रिंस कुमार (वस्त्र मंत्रालय), प्रमुख पूर्व (नरस टेम्स बारा), डॉ. रमि अरोरा (पूर्व मेडिकल कमिश्नर), डी. सुमिर (हैमर), आदिवासी लघुपति, इंदूरकर मुकुंदर मोहन

मशक बनाने हेतु प्रदान की गई। ज्ञात हो कि तीन वर्ष पूर्व दयालबाग यूनिवर्सिटी द्वारा राजाबरासी क्षेत्र के 80 आदिवासी युवाओं को चार माह का बांस हस्तशिल्प प्रशिक्षण प्रदान किया गया था, जिसके उपरान्त उन्हें भारत सरकार के हस्तशिल्प पोर्टल पर पंजीकृत भी किया गया। इसी के आधार पर ये शिल्पकार इस योजना के अंतर्गत चयनित हुए। उद्देश्यपूर्ण है कि इसी परियोजना के अंतर्गत दो वर्ष

पूर्व 50 आदिवासी महिलाओं को सिलाई मशीनें भी वितरित की गई थीं। कार्यक्रम में वस्त्र मंत्रालय, इंदौर से अधिकारी प्रिंस कुमार एवं नीरज शुक्ला की विशेष उपस्थिति रही। टूलकिट का वितरण टेम्सबखरा पंचायत के ग्राम सारपंच मनोज भुवें द्वारा किया गया। राजाबरासी स्कूल के प्राचार्य दिनेश कपूर, पूर्व मेडिकल कमिश्नर डॉ. रमि अरोरा सहित अनेक स्थानीय गणमान्यजन भी कार्यक्रम में सम्मिलित हुए।

कार्यक्रम की अध्यक्षता एवं संचालन दयालबाग शिक्षण संस्थान, राजाबरासी एवं टिमरनी के संकाय प्रमुख तथा इस परियोजना के समन्वयक डॉ. डी. सुमिर द्वारा की गई। उन्होंने अपने संबोधन में मंत्रालय के अधिकारियों, विभिन्न अतिथियों, संस्थान मुख्यालय की टेक्सटाइल प्रोजेक्ट कोऑर्डिनेटर डॉ. पारुल भटनागर एवं इंदौर ब्रांच संस्थान के विनीत गुप्त के प्रति विशेष आभार व्यक्त किया।

आज

आगरा महानगर

ak

आगरा,
12 जुलाई 2025

3